॥ आरती श्री सरस्वती जी की ॥

Aarti Shri Saraswati Ji Ki

कज्जल पुरित लोचन भारे,
स्तन युग शोभित मुक्त हारे ।
वीणा पुस्तक रंजित हस्ते,
भगवती भारती देवी नमस्ते ॥

जय सरस्वती माता ,जय जय हे सरस्वती माता ।
दगुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता ॥

जय सरस्वती माता......
चंद्रवदनि पदमासिनी , घुति मंगलकारी ।
सोहें शुभ हंस सवारी,अतुल तेजधारी ॥

जय सरस्वती माता......
बायेँ कर में वीणा ,दायें कर में माला ।
शीश मुकुट मणी सोहें ,गल मोतियन माला ॥

जय सरस्वती माता......
देवी शरण जो आयें ,उनका उद्धार किया ।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥

जय सरस्वती माता......
विद्या ज्ञान प्रदायिनी , ज्ञान प्रकाश भरो ।
मोह और अज्ञान तिमिर का जग से नाश करो ॥

जय सरस्वती माता......
धुप ,दिप फल मेवा माँ स्वीकार करो ।
ज्ञानचक्षु दे माता , भव से उद्धार करो ॥

जय सरस्वती माता......
माँ सरस्वती जी की आरती जो कोई नर गावें ।
हितकारी ,सुखकारी ग्यान भक्ती पावें ॥

सरस्वती माता ,जय जय हे सरस्वती माता ।
सदगुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता ॥
जय सरस्वती माता ,जय जय हे सरस्वती माता ।

॥ इति आरती श्री सरस्वती सम्पूर्णम ॥

allastrologysolutions.com